



SMT. IYMUDIYANDA RANI MACHAIAH

Smt. Iymudiyanda Rani Machaiah is the foremost senior folk exponent of the Ummathat Dance Art of Kodagu Dist. in Karnataka.

2. Born on 04th April, 1943, Smt. Machaiah is fiercely propagating the cause of folk dance in the role of performer, organiser and trainer. The Ummathat, Bolkat and Kathiyat are the prominent folk and popular dances of Kodagu district of Karnataka. The Ummathat is very popular and graceful group dance by young talented women artists lead by her. She is one of the well-known organisers of folk dancer and singer. She has blended into her folk songs, conservation at the dynamic spirit of innovations. She has continued to bring within the borders of regional tradition, all her movements and feeling with a touch of creative instinct. Keen on making a global presence, her works of experimentation have been applauded all over India. Her traditional Ummathat dance style is making the sense of pleasant phenomenon of universal appeal. Her recent contribution to the folk dance world is her own new innovation. "The Kodava Kolat" and "Kodagu Tribe" dance, which has made a tremendous impact in the cultural circles in the state.

3. Smt. Machaiah's team has performed at prestigious institutions such as Karnataka Uthsav, New Delhi; Phoolwaion Ko Sheher, New Delhi; Cultural Exchange Programme, Jammu & Kashmir; Cultural Exchange Programme, Andaman & Nicobar Islands; Cultural Exchange Programme, Himachal Pradesh, Kulu, Cultural Exchange Programme, Mumbai; Hariyana Cultural Programme; International Film Festival, Bengaluru; Cultural Exchange Programme, Mizoram; Cultural Exchange Programme, Punjab and many more.

4. Smt. Machaiah founded "Kaveri Kala Vrinda" in 1986. She organised cultural festivals every year to promote the Kodava Folk Dances, apart from imparting training in Ummathat, Bolkat and Kolat. The organisation is affiliated with Nehru Yuva Kendra, Kodagu Dist., Madikeri. This organisation is extremely successful and initiated newer audience to the world of folkdance.

5. Smt. Machaiah was honoured with 'Rajyothsava Award' from the Government of Karnataka in 2005 for her achievements in the field of folk dance and cultural activities.



श्रीमती एमुडियंड रानी माचय्य

श्रीमती एमुडियंड रानी माचय्य कर्नाटक के कोडागु जिले की उम्माथाट नृत्यकला की अग्रणी वरिष्ठ लोक नर्तकी हैं।

2. 4 अप्रैल 1943 को जन्मी, श्रीमती माचय्य कलाकार, आयोजक और प्रशिक्षक की भूमिका में लोक नृत्य का भरपूर प्रचार-प्रसार कर रही हैं। उम्माथाट, बोलकट और कथियट कर्नाटक के कोडागु जिले के प्रमुख और जनप्रिय लोक नृत्य हैं। उनकी अगुवाई में, उम्माथाट युवा प्रतिभाशाली महिला कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला अत्यंत लोकप्रिय और शानदार समूह नृत्य है। वह लोक नृत्य और गायन की एक सुप्रसिद्ध आयोजक हैं। उन्होंने अपने लोकगीतों में नवप्रयोग की उत्साहपूर्ण भावना के साथ संरक्षण को शामिल किया है। वह क्षेत्रीय परंपरा की परिधि में, सर्जनात्मकता का पुट और अपनी सभी मुद्राएं समाहित करती रही हैं। वह, विश्व स्तर पर पहचान बनाने के लिए उत्सुक रहती हैं और उनकी प्रयोगधर्मी प्रस्तुतियों ने, पूरे भारत में सराहना प्राप्त की है। उनकी पारंपरिक उम्माथाट नृत्य शैली सभी को आकर्षित करती है और एक सुखद अनुभूति कराती है। लोक नृत्य की दुनिया में नवप्रयोग उनका एक वर्तमान योगदान है। "द कोडवा कोलाट" और "कोडागु जनजाति" नृत्य ने राज्य के सांस्कृतिक क्षेत्र में एक अमिट छाप अंकित की है।

3. श्रीमती माचय्य की टीम ने कर्नाटक उत्सव, नई दिल्ली; फूलवालों की सैर, नई दिल्ली; सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, जम्मू और कश्मीर; सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, हिमाचल प्रदेश, कुल्लू, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, मुंबई; हरियाणा सांस्कृतिक कार्यक्रम; अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, बेंगलुरु; सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, मिजोरम; सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम, पंजाब आदि अनेक प्रतिष्ठित आयोजनों में प्रस्तुति दी है।

4. श्रीमती माचय्य ने 1986 में "कावेरी कला वृंद" की स्थापना की। उन्होंने उम्माथाट, बोलकट और कोलाट का प्रशिक्षण देने के अलावा, कोडवा लोक नृत्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रति वर्ष सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन किया। उनका यह संगठन नेहरू युवा केंद्र, कोडागु जिला, मादिकेरी से संबद्ध है। यह संगठन बेहद कामयाब है और इसने लोकनृत्य जगत में नया दर्शकवर्ग पैदा किया है।

5. श्रीमती माचय्य को लोक नृत्य और सांस्कृतिक गतिविधियों के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के लिए 2005 में कर्नाटक सरकार की ओर से 'राज्योत्सव पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।